

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग  
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय  
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-१०

दिनांक- मंगलवार, ०४ फरवरी, २०२०



**विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन**

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २३.२ एवं ११.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ६१ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ७५ प्रतिशत, हवा की औसत गति ५.३ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.५ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ३.८ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १३.६ एवं दोपहर में २१.८ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा। रात्री एवं सुबह में कुहासा देखा गया।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान**

(५-६ फरवरी, २०२०)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ५-६ फरवरी तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल आ सकते हैं हालांकि मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमान की अवधि में अधिकतम तापमान २१ से २३ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान १० से ११ डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने का अनुमान है।
- औसतन ८-१० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चल सकती है। हालांकि ८-६ फरवरी में पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ७५ से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ७० प्रतिशत रहने की संभावना है।

**समसामयिक सुझाव**

- गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। जिन किसान भाईयों की खेत की तैयारी हो चुकी है बुआई शुरू कर सकते हैं तथा जिन किसानों का खेत तैयार नहीं है वैसे किसान भाई खेतों की तैयारी करें। १५०-२०० कि०मी० प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार बिखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। सब्जियों में निकार्ड-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान हल्दी एवं ओल की तैयार फसलों की खुदाई प्राथमिकता से करें।
- सरसों की फसल को नुकसान पहुंचाने वाला मुख्य कीट लाही (शिशु एवं प्रौढ़) की निगरानी करें। ये सुक्ष्म आकार का कीट है, जो पौधों पर स्थायी रूप से चिपके रहते हैं एवं पौधों की जड़ों को छोड़कर शेष सभी मुलायम भागों, तने व फलीयों का रस चूसते हैं। ये कीट मधु-स्त्राव निकालते हैं, जिससे पौधे पर फंगस का आक्रमण हो जाता है तथा जगह-जगह काले धब्बे दिखाई देते हैं। ग्रसित पौधों में शाखाएँ कम लगती हैं। पौधे की बढ़वार रुक जाती है। पौधे पीले पड़कर सूखने लगते हैं। फलीयों कम लगती हैं तथा तेल की मात्रा में भी कमी आती है। इस कीट से बचाव के लिए डाईमिथोएट ३० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- पपीता की खेती करने वाले किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि १० से १५ फरवरी तक नर्सरी की तैयारी कर बीज की बुआई कर दें। अन्यथा देर होने की स्थिति में बढ़ते तापमान के कारण रोपनी के समय पौधे पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।
- पिछात बोयी गई गेहूँ की फसल में जिंक की कमी के लक्षण (गेहूँ के पौधों का रंग हल्का पीला हो जाना) दिखाई दें रहें हो तो २.५ किलोग्राम जिंक सल्फेट, १.२५ किलोग्राम बुझा हुआ चुना एवं १२.५ किलोग्राम यूरिया को ५०० लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से १५ दिन के अन्तराल पर दो बार छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें। दीमक कीट का प्रकोप फसल में दिखाई देने पर बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर खड़ी फसलों में समान रूप से व्यवहार करें।
- मटर में फली छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फलियों में जालीनूमा आवरण बनाकर उसके नीचे फलियों में प्रवेश कर अन्दर ही अन्दर मटर के दानों को खाती रहती हैं। एक पिल्लू एक से अधिक फलियों को नष्ट करता है। अक्रान्त फलियों खाने योग्य नहीं रह जाती, जिससे उपज में अत्यधिक कमी आती है। कीट प्रबन्धन हेतु प्रकाश फंदा का उपयोग करें। १५-२० टी आकार का पंछी वैठका (वर्ड पर्चर) प्रति हेक्टर लगावे। अधिक नुकसान होने पर क्वीनालफास २५ ई० सी० या नोवाल्पुरॉन १० ई० सी० का १ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें।
- अरहर की फसल में फल मक्खी कीट की निगरानी करें। इस कीट के मैगट बीजों को खाते हैं। जिस स्थानों पर मैगट खाते हैं, वहाँ कवक एवं जीवाणु उत्पन्न हो जाते हैं। फलस्वरूप ऐसे दाने खाने योग्य नहीं रह जाते हैं और उपज में काफी कमी आती है। इस कीट से बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराइड दवा १.५ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमान: २२.० डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से ०.६ डिग्री अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: ६.२ डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से १.५ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)  
नोडल पदाधिकार